# ENTRANCE EXAMINATION, 2017

## M.A. HINDI

[ Field of Study Code : HNDM (210) ]

*Time Allowed* : 3 hours *Maximum Marks* : 100

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अन्तिम प्रश्न अनिवार्य है।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. खड़ी बोली के विकास में दक्खिनी साहित्य की भूमिका पर विचार कीजिए।
2. हिन्दी के आदिकालीन साहित्य में अमीर खुसरो के महत्त्व को निर्धारित कीजिए।
3. क्या भक्ति काव्य की संवेदना को सगुण और निर्गुण में बाँटकर समझा जा सकता है, युक्तिपूर्ण उत्तर दीजिए।
4. स्त्रीवादी विमर्श की दृष्टि से मीरा की कविता की विवेचना कीजिए।
5. रीतिकाल की सामान्य विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।
6. मैथिलीशरण गुप्त की कविता के माध्यम से हिन्दी नवजागरण के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
7. "प्रसाद की 'आकाशदीप', 'स्वर्ग के खंडहर में' आदि कहानियाँ कथा-साहित्य में छायावाद का प्रसार है। प्रेमचंद के 'सेवासदन', 'प्रेमाश्रम', 'गबन' आदि उपन्यासों का अंत जो सदनों और आश्रमों के आदर्श में हुआ है, उसे भी छायावादी जीवन-दृष्टि का परिणाम समझना चाहिए।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं, पक्ष या विपक्ष में अपने तर्क दीजिए।
8. किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) नाटककार प्रसाद
   (ख) उपन्यासकार अज्ञेय
   (ग) आलोचक मुक्तिबोध
   (घ) कहानीकार मोहनदास नैमिशराय
   (ङ) कवि उदय प्रकाश

9. किसी **एक** काव्यांश का काव्य-मर्म उद्घाटित कीजिए :

(क) भा बैसाख तपनि अति लागी। चोला चीर चंदन भौ आगी।
सूरज जरत हिवंचल ताका। बिरह बजागि सौंहँ रथ हाँका॥
जरत बजागिनी होउ पिय छाँहाँ। आइ बुझाउ अँगार-ह माँहा॥
तोहि दरसन होई सीतल नारी। आइ आगि सों करू फुलवारी॥
लागिउँ जरे जरे जस भारू। बहुरि जो भूँजसि तजौं न बारू॥
सरवर हिया घटत निति जाई। टूक टूक होई होई बिहराई॥
बिहरत हिया करहु पिय टेका। दिस्टि दवँगरा मेरवहु एका॥
कँवल जो बिगसा मानसर छारहिं मिले सुखाइ।
अबहुँ बेलि फिरि पलुहै जौं पिय सींचहु आइ॥

(ख) कौन तुम? संसृति-जलनिधि तीर-तरंगों से फेंकी मणि एक,
कर रहे निर्जन का चुपचाप प्रभा की धारा से अभिषेक?
मधुर विश्रांत और एकांत-जगत का सुलझा हुआ रहस्य,
एक करुणामय सुन्दर मौन और चंचल मन का आलस्य।

★★★